हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आज केंद्रीय विद्यालय एफ.आर.आई में कवि सम्मेलन का आयोजन।

Rupesh Negi September 14, 2023

0 उत्तराखंड, शिक्षा

देहरादून– हिंदी दिवस का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के शुरुआती दिनों मे 1918 में हिंदी विद्वानों और कार्यकर्ताओं के एक समूह ने राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी साहित्य सम्मेलन (हिंदी साहित्य सम्मेलन) का गठन किया था। सम्मेलन ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने में प्रमुख भूमिका निभाई।

भारत में सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती है, 6 दिसंबर 1946 में आजाद भारत का संविधान तैयार करने के लिए संविधान का गठन हुआ, संविधान सभा ने अपना 26 नवंबर 1949 को संविधान के अंतिम प्रारूप को मंजूरी दे दी, आजाद भारत का अपना संविधान 26 जनवरी 1950 से पूरे देश में लागू हुआ, लेकिन भारत की कौन सी राष्ट्रभाषा चुनी जाएगी ये मुद्दा काफी अहम था, हिंदी और अंग्रेजी को नए राष्ट्र की भाषा चुना गया, संविधान सभा ने देवनागरी लिपी में लिखी हिंदी को अंग्रजों के साथ राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकार किया था, 14 सितंबर 1949 को

तौर पर स्वीकार किया था, 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की राजभाषा होगी,पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया था। बस तभी से आजतक हिंदी दिवस के रूप मे मनाया जाता है।

आज आज केंद्रीय विद्यालय एफ.आर.आई में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया,जिसमें दुष्यंत पुरस्कार से सम्मानित जसवीर सिंह हलधर के साथ-साथ श्रीकांत श्री , सागर एवं मणि अग्रवाल मणिका जैसे कवियों ने सम्मेलन की शोभा में वृद्धि की। कवि सम्मेलन का शुभारंभ प्रज्वलन के साथ हुआ प्राचार्य द्वारा सभी सम्मानित कवियों का हरित स्वागत किया गया तत्पश्चात महिमाश्री ने अपनी ओजस्वी वाणी में मां

,कवित्री मणि अग्रवाल ने 'बेटियां' श्रीकांतश्री एवं जसवीर सिंह हलधर द्वारा हिंदी भाषा पर काव्य प्रस्तुति दी गई। प्राचार्य हनुमंत सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ। तारा जोशी एवं अनूप चौधरी द्वारा मंच संचालन किया गया ।

केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों ने प्रतियोगिता में दिखाया उत्साह

केंद्रीय विद्यालयों में हिंदी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। केवि एफआरआइ में कवि सम्मेलन में दुष्यंत पुरस्कार से सम्मानित जसवीर सिंह हलधर, श्रीकांत श्री, सागर व मणि अग्रवाल मणिका ने हिंदी भाषा पर काव्य प्रस्तुति दी। केंद्रीय विद्यालय आइआइपी में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में छात्रों ने हिंदी भाषा के महत्व के बारे में जाना। प्राचार्य मिक्की खुल्बे ने सभी कार्मिकों को हिंदी में सभी प्रशासनिक उत्तरदायित्व के निर्वहन को प्रेरित किया। केंद्रीय विद्यालय बीरपुर में मुख्य अतिथि समाजसेवी योगेश अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि भारतीय स्टेट बैंक के राजभाषा अधिकारी विश्वनाथ रहे। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने नृत्य, नुक्कड़ नाटक की मनमोहक प्रस्तुति दी।

बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम के लिए तैयारी पर जोर

देहरादून : केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग के सभी केंद्रीय विद्यालयों के भौतिक विज्ञान विषय स्नातकोत्तर शिक्षकों की कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम के लिए तैयारी पर जोर दिया। केंद्रीय विद्यालय वन अनुसंधान सस्थान में संभागीय स्तर दो दिवसीय कार्यशाला में संभाग के 45 विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए। सीबीएसई देहरादून रीजन के क्षेत्रीय अधिकारी डा . रणबीर सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति, वर्तमान समय की उपयोगिता व विद्यालयी शिक्षा में इसके लागू करने के बारे में बताया। शनिवार को दूसरे दिन विद्यालय के प्राचार्य हनुमंत सिंह ने परीक्षा पैटर्न व छात्रों को शिक्षा से संबंधित कठिनाई के समाधान पर जोर दिया। (जासं)

24 September, 2023, Dainik Jagran